

बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम

दिनांक -27-07-2020

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज तत्सम एवं तद्भव के बारे में अध्ययन करेंगे एवं लिखकर याद करें।

तत्सम शब्द

तत्सम शब्द की परिभाषा

तत्सम शब्द संस्कृत भाषा के दो शब्दों, तत् + सम् से मिलकर बना है। तत् का अर्थ है - उसके, तथा सम् का अर्थ है - समान। अर्थात् - ज्यों का त्यों। जिन शब्दों को संस्कृत से बिना किसी परिवर्तन के ले लिया जाता है, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। इनमें ध्वनि परिवर्तन नहीं होता है। हिन्दी, बांग्ला, कोंकणी, मराठी, गुजराती, पंजाबी, तेलुगू, कन्नड, मलयालम, सिंहल आदि में बहुत से शब्द संस्कृत से सीधे ले लिए गये हैं, क्योंकि इनमें से कई भाषाएँ संस्कृत से जन्मी हैं।

जैसे - अग्नि, आम्र, अमूल्य, चंद्र, क्षेत्र, अज्ञान, अन्धकार आदि।

तत्सम शब्द के प्रकार

तत्सम शब्द के दो रूप उपलब्ध हैं।

1. परम्परागत तत्सम शब्द
2. निर्मित तत्सम शब्द

परम्परागत तत्सम शब्द – जो शब्द संस्कृत साहित्य में उपलब्ध है। जिसका प्रचलन संस्कृत भाषा में है | ऐसे शब्दों को परम्परागत तत्सम शब्द कहते हैं।

निर्मित तत्सम शब्द – निर्मित तत्सम शब्द उस शब्द को कहते हैं, जो शब्द संस्कृत साहित्य में नहीं है। परंतु संस्कृत शब्दों के समान शब्द निर्मित कर लिये जाते हैं।

तद्भव शब्द

तद्भव शब्द की परिभाषा

तत्सम शब्दों में समय और परिस्थितियों के कारण कुछ परिवर्तन होने से जो शब्द बने हैं, उन्हें तद्भव कहते हैं। तद्भव का शाब्दिक अर्थ है - उससे बने (तत् + भव = उससे उत्पन्न), अर्थात् जो उससे (संस्कृत से) उत्पन्न हुए हैं। यहाँ पर तत् शब्द भी संस्कृत भाषा की ओर इंगित करता है। अर्थात् जो संस्कृत से ही बने हैं। इन शब्दों की यात्रा संस्कृत से आरंभ होकर पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाओं के पड़ाव से होकर गुजरी है और आज तक चल रही है।

जैसे - मुख से मुँह, ग्राम से गाँव, दुग्ध से दूध, भ्रातृ से भाई आदि।

तत्सम-तद्भव शब्द

तत्सम- चन्द्र, ग्राहक, मयूर, विद्युत्, वधू, नृत्य, गौ, ग्रीष्म, आलस्य, श्रंगार, सर्प, कृषक, ग्राम, गृह

तद्भव- चाँद, गाहक, मोर, बिजली, बहू, नाच, गाय, गर्मी, आलस, सिंगार, साँप, किसान, गाँव, घर